न्यूज डायरी

दोस्त की मौत पर फूटा रूस के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति का दुख

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूं तो देश के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति हैं। लेकिन एक करीबी दोस्त की मौत पर उन्हें सार्वजनिक रूप से रोते हुए देखा गया जो बड़ा ही दुर्लभ दृश्य था। पुतिन को दोस्त की ताबूत पर सिर रखकर रोते हुए देखा गया। वह शुक्रवार को मास्को में अपने दोस्त और आपातकालीन स्थिति मंत्री येवगेनी जिनिचेव (55) के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। जिनिचेव की बुधवार को आर्कटिक एक्सरसाइज ड्रिल के दौरान एक व्यक्ति की जान बचाने की कोशिश के दौरान मृत्यु हो गई थी। रूसी मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। जिनिचेव के अंतिम दर्शन के दौरान पुतिन भावुक हो गए और अपने दोस्त के खुले ताबूत पर अपना सिर टिकाकर रोते हुए नजर आए। उन्होंने ताबूक के भीतर जिनिचेव के शव को भी छुआ।

अमेरिका को दहलाने वाले 19 आतंकियों में 15 थे सऊदी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रियाद। अमेरिका 11 सितंबर 2001 को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले के 20 साल पूर कर चुका है। अभी भी उस हमले की यादें सभी दिलो–दिमाग में ताजा हैं। पूरी दुनिया में लोगों को याद है कि उस दिन वे कहां थे और क्या कर रहे थे। पहले विमान के टॉवर से टकराने के बाद लोगों ने दूसरे टावर से विमान को टकराते लाइव देखा था। 20 साल बाद बाइडेन प्रशासन उस ऐतिहासिक दिन से सऊदी अरब के संबंधों की समीक्षा कर रहा है क्योंकि 19 में से 15 हाईजैकर्स सऊदी अरब के नागरिक थे। सऊदी सरकार ने 9ध्11 के हमलों से किसी भी तरह का संबंध होने की बात को लगातार खारिज किया है। सीबीएस न्यूज की हॉली विलियम्स आतंकवादी अपराधों के दोषी लोगों से सऊदी जेल में बात की। कुछ कैदियों उन्हें बताया कि एक अति–रूढ़िवादी इस्लामी राज्य में बढ़े होने की वजह से उनके कट्टरपंथ को बढ़ावा मिला। सऊदी अधिकारियों ने सीबीएस न्यूज को बताया कि वे समस्या को ठीक कर रहे हैं। सऊदी सरकार ने विलियम्स को Al-Ha'ir को जेल का दौरान करने की अनुमति दी और एक कैदी ने उन्हें गाइड किया।

वैज्ञानिक के हाथ लगा सोना, डेनमार्क के इतिहास का सबसे बड़ा खजाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोपेनहेगन। पुरातत्वविदों ने जमीन के नीचे छिपे खजाने की खोज की है। डेनमार्क के जेलिंग के पास विन्डेलीव में डिटेक्टरिस्ट व्सम ळपददमतनच ैबीलज्र के हाथ यह कामयाबी लगी है। इसके बाद वेजले संग्रहालय के पुरातत्वविदों ने साइट की खुदाई की और वाइकिंग युग से पहले की 22 बेहद कीमती कलाकृतियों की खोज की है। Schyt ने कहा है कि उन्होंने भाग्य से इस खजाने का पता लगाया है। डिटेक्टरिस्ट Schytz अपने क्लासमेट की जमीन को स्कैन करने के लिए अपने मेटल डिटेक्टर के साथ सैर पर निकले थे। उन्होंने बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि वह डेनमार्क के इतिहास के सबसे बड़े खजाने में से एक की खोज करने जा रहा है। उन्होंने कहा कि वह कीचड़ से भरा हुआ था।

पाकिस्तानी आईएसआई के हाथ लगा अफगानिस्तान का गोपनीय डेटा?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार बनने में पाकिस्तान की भूमिका पर शायद ही किसी को शक रह गया हो। अब ताजा रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान ने देश के संवेदनशील और कॉन्फिडेंशल दस्तावेज भी हासिल कर लिए है। इसके साथ ही उसके हाथ अहम डेटा लग गया है। वहीं, तालिबान ने इन आरोपों को खारिज किया है। रिपोर्ट के मुताबिक काबुल में मानवीय सहायता के लिए पहुंचे तीन ब170 प्लेन दस्तावेजों से भरे बैग लेकर लौटे। पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के साथ काम करने वाले एक सूत्र के हवाले से दावा किया गया है कि ये संवेदनशील गोपनीय दस्तावेज पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई लेकर गई है। ये हार्ड डिस्क और दूसरे डिजिटल रेकॉर्ड्स की शक्ल में हैं। सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि यह कार्यवाही पाकिस्तान के अफगान राजदूत मंसूर अहमद की निगरानी में हुई है।

बाइडन ने 9/11 हमले को बताया सबसे बड़ा सबक

श्रद्धांजलि

9/11 की बरसी पर राष्ट्रपति बाइडन ने तीनों घटनास्थलों का दौरा किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

न्यूयार्क। अमेरिका में 20 साल हुए सदी के सबसे भयानक आतंकी हमले की बरसी पर राष्ट्रपति जो बाइडन ने समस्त देशवासियों से एकता बनाए रखने की अपील की है। बाइडन ने कहा कि हमले के बाद देशवासियों ने जैसी एकता दिखाई थी, उसी भावना के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। बाइडन आतंकी हमले में मारे जाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए तीनों घटनास्थल पर गए। उन्होंने इस मौके पर घटनास्थल पर भाषण देने के बजाय रात में ही एक वीडियो संदेश जारी किया।

उन्होंने कहा कि अब देश को उसी जज्बे से एकता दिखानी है, जो हमले के बाद देखने को मिली थी। एकता ही अमेरिकनों की सबसे बड़ी ताकत है। बाइडन न्यूयार्क में रात में ही पहुंच गए। आतंकी हमले में गिरे ट्विन टावर वाले स्थल राष्ट्रीय सितंबर 11 मेमोरियल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। यहां

रोशनी करके मृतकों की याद में प्रार्थना की गई। इसके बाद वे यहां से पेसिंलवेनिया के शैंक्सविले के पास में मैदान में पहुंचे। जहां एक विमान आसमान से गिरा था। इस विमान में सवार यात्रियों ने आतंकियों से संघर्ष करने के बाद इस विमान को न्यूयार्क जाने से रोक दिया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने पूर्व रिकार्डेड संदेश में कहा कि चाहे कितना भी समय बीत गया हो, इस हमले की याद से आज भी उतना ही दर्द उभरने लगता है। जो बाइडन 11 सितंबर, 2001 में न्यूयार्क में आतंकी हमले के दौरान सीनेटर थे, अब वह कमांडर इन चीफ होकर बरसी मना रहे हैं।

पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के प्रेस सचिव रहे राबर्ट गिब्स ने कहा कि यह समय बाइडन को एक डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति के रूप में नहीं वरन संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में देखने की जरूरत है। बाइडन 9/11 हमले की बरसी पर श्रद्धांजलि देने वाले चौथे राष्ट्रपति हैं।

अमेरिका ने झोंक दिए अरबों डॉलर

हमले के बाद अमेरिका ने अफगानिस्तान में अपनी सेना उतार दी। धीरे–धीरे सैनिकों की बढ़ते–बढ़ते लाखों में पहुंच गई और 2011 में यहां 1,10,000 तक अमेरिकी सैनिक तैनात थे। अमेरिकी सरकार के आंकड़ों के मुताबिक साल 2010 से 2012 के बीच इस जंग पर सालाना खर्च 100 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। इसके बाद अमेरिका ने अपना पैसा तालिबान के खात्मे के बजाय अफगान सेना की ट्रेनिंग पर लगाया। पेंटागन के सीनियर अधिकारी ने अमेरिकी कांग्रेस को बताया था कि साल 2018 तक सालाना खर्च 45 अरब डॉलर तक आ गया था। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक अफगानिस्तान पर अक्टूबर 2011 से लेकर सितंबर 2019 तक 778 अरब डॉलर खर्च किए जा चुके थे। इसके अलावा अमेरिकी गृह विभाग ने अमेरिकी इंटरनैशनल डिवेलपमेंट एजेंसी और सरकारी एजेंसियों के साथ मिलकर 44 अरब डॉलर पुनर्निर्माण प्रॉजेक्ट पर खर्च किए। यानी 2001 से 2019 के बीच कुल खर्च 822 अरब डॉलर था।

पाकिस्तानी पत्रकारों ने पीडीएम कानून को किया खारिज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। खैबर–पख्तूनख्वा के पाकिस्तानी पत्रकारों ने प्रस्तावित कानून पाकिस्तान मीडिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएमडीए) को खारिज कर दिया है। उन्होंने इसे संविधान द्वारा प्रदान किए गए मौलिक अधिकारों के खिलाफ बताया है। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, विभिन्न समाचार संगठनों से जुड़े पत्रकारों, पेशावर प्रेस क्लब और खैबर यूनियन आफ जर्नलिस्ट्स (खुज) के सदस्यों ने एक दिवसीय संगोष्ठी के बाद एक सर्वसम्मत प्रस्ताव को पारित किया।

विभिन्न समाचार संगठनों और प्रेस संघों से जुड़े पत्रकारों ने पीएमडीए कानून को देश के संविधान के अनुच्छेद 19 के खिलाफ करार दिया, जो लोगों को भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार देता है। समूहों ने यह भी बताया कि प्रस्तावित कानून न केवल पत्रकारों और मीडिया संगठनों को प्रेस की स्वतंत्रता से वंचित करेगा, बल्कि नागरिक समाज, छात्रों, वकीलों, शिक्षकों, कानून निर्माताओं, ट्रेड यूनियनों, राजनीतिक, धार्मिक कार्यकर्ताओं और देश की 22 करोड़ जनता को भी अपने मूल अधिकारों से वंचित करेगा।

विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान की प्रेस की स्वतंत्रता खतरे में है।

अमेरिका ने अफगान शरणार्थियों के लिए तौयार किया एयरबेस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। बाइडेन प्रशासन ने शुक्रवार को पहली बार अफगान शरणार्थियों के प्रवास के लिए तैयार एयरबेस जनता को दिखाया है। अमेरिकी सैन्य अड्डे के अंदर अफगानिस्तान से एयरलिफ्ट किए गए अफगानों की स्क्रीनिंग की जा रही है। बाइडन प्रशासन से लगातार सवाल किया जा रहा था कि सरकार शरणार्थियों की देखभाल और उनकी जांच कैसे कर रही है। विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी लिज ग्रेकान ने कहा, हर अफगान जो यहां हमारे साथ है, उसने एक कष्टदायक यात्रा का सामना किया है और अब वे संयुक्त राज्य अमेरिका में जीवन के साथ तालमेल बिठाने की वास्तविक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

पाकिस्तान ने किया अफगानिस्तान को तबाह? तालिबानी नेता का ऑडियो वायरल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान को लाने के पीछे पाकिस्तान की भूमिका थी, इन आरोपों को बल मिलता ही जा रहा है। तालिबानी लड़ाकों के साथ मिलकर जमीन पर जंग लड़ने की बात हो या सरकार बनाने में दखल, पाकिस्तान की मौजूदगी हर जगह जाहिर रही। अब एक सोशल मीडिया पर एक तालिबानी नेता का ऑडियो वायरल हो रहा है जिससे न सिर्फ दोनों के बीच संबंध बल्कि खाई की अटकलें भी तेज हो गई हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे ऑडियो में तालिबानी नेता कह रहा है कि पंजाब ने सब

विमान में भेजे गोपनीय दस्तावेज?

तबाह कर दिया, आर्ग (काबुल) में तालिबान में काफी बड़ा झगड़ा हुआ और तालिबान के अंदर अभी काफी परेशानियां हैं, मेहमान ने अफगानिस्तान का भविष्य खराब कर दिया और दूसरी जंग की नौबत आ गई है। यह वायरल ऑडियो अफगान पत्रकार नतीक मलिकजादा ने भी शेयर किया है। इस ऑडियो में पाकिस्तान को पंजाब कहा गया है।

इससे पहले खबरें थीं कि पाकिस्तान ने मानवीय सहायता के लिए अफगानिस्तान तीन प्लेन भेजे थे लेकिन वे लौटे अफगान सरकार के गुप्त दस्तावेज लेकर। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि आईएसआई की नजर इन दस्तावेजों पर थी। हालांकि, तालिबान ने इन आरोपों का खंडन किया है।

दरअसल, आईएसआई चीफ फैज अहमद काबुल पहुंचे थे जिसके बाद चर्चा तेज थी कि तालिबान सरकार बनने में उनका दखल है। यह उस वक्त साबित भी हो गया जब तालिबानी सरकार का गृह मंत्री पाकिस्तान समर्थित हक्कानी नेटवर्क के सिराजुद्दीन हक्कानी को बनाया गया। वहीं, पंजशीर पर हमले के पीछे भी पाकिस्तान की चाल बताई जा रही है। दिलचस्प बात यह रही कि पंजशीर पर हमले के बाद ही तालिबान ने ऐलान किया कि वह पाकिस्तान की सुरक्षा को लेकर चिंताओं का समाधान करेगा।

रूस ने अमेरिकी कंपनियों पर लगाया चुनावों में हस्तक्षेप का आरोप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मास्को। रूसी विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने अमेरिकी राजदूत जान सुलीवन को समन करके रूसी उप–विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव से मिलने के लिए कहा है। रूस ने अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों पर सितंबर में होने वाले संसदीय चुनावों में हस्तक्षेप का आरोप लगाया है। रूसी विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि उसके पास इस बात के पुख्ता प्रमाण हैं कि अमेरिका स्थित बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों ने आगामी चुनावों से पहले रूसी कानूनों का उल्लंघन किया है। रूस ने हालांकि यह नहीं बताया कि ये कौन सी कंपनियां हैं और उन्होंने क्या उल्लंघन किया है। याद दिला दें कि रूस ने इस माह की शुरुआत में कहा था कि क्रेमलिन के आलोचक एलेक्सी नवलनी के एप को अपने आनलाइन स्टोर से हटाने से एप्पल और गूगल के इन्कार को वह चुनावों में दखल की तरह लेगा। दरअसल, नवलनी और उनके सहयोगी एक ऐसी रणनीतिक मतदान योजना का प्रचार कर रहे हैं जिसमें वे अपने समर्थकों से उन प्रत्याशियों का समर्थन करने को कह रहे हैं जो सत्तारूढ़ यूनाइटेड रशिया पार्टी को पराजित कर सकते हैं।